[This question paper contains 4 printed pages.]

6617

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक _____

M.A./II **J**

HISTORY – Group B – Course 6

(Socio-Religious Movements in Medieval India)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **four** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

कोई **चार** *प्रश्न कीजिए।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. How far the debates around the question of either *khilafat* or *Imāmat* remained central to the theories the governance of sectarian strifes subsequently ?

   खिलाफ़त अथवा *इमामत* के प्रश्न को लेकर बहसें बाद के साम्प्रदायिक झगड़ों के नियंत्रण के सिद्धांतों के लिए कहाँ तक प्रमुख बनी रहीं ?

2. Discuss the ideology at the organisation of the *Ismailis*. Account for their importance in the 'Islamic World'.

   इस्माइलियों के संगठन की विचारधारा का विवेचन कीजिए। 'इस्लामी दुनिया' में उनके महत्त्व का कारण बताइए।

3. How and why the ideology of *Tassawuf* become so important in the Muslim societies during the medieval times ?

   मध्यकालीन मुस्लिम समाजों में *तस्सवुफ* की विचारधारा कैसे और क्यों इतनी महत्त्वपूर्ण बन गई ?

4. Do you think *Fawaid-ul-Fuwad* is the representative text from understanding of the Chishti mystic order during the 14th century ?

   आपके विचार में क्या फवाद-उल-फुवाद चौदहवीं शताब्दी के दौरान चिश्ती रहस्यवादी सिलसिले के बोध के लिए एक प्रतिनिधिक ग्रंथ है ?

5. Why is Kabir so Central in the context of monotheistic thought in India? How justified is Irfan Habib's description of his thought as, "negation of some gross inequalities of our culture, and not a mere synthesis of its divergent elements"?

भारत में एकेश्वरवादी विचारधारा के संदर्भ में कबीर क्यों इतना प्रमुख है? इरफान हबीब द्वारा उसकी विचारधारा का यह चित्रण कि वह 'हमारी संस्कृति की कुछ घोर असमानताओं का प्रतिवाद थी, उसके भिन्न तत्वों का संश्लेषण मात्र नहीं थी' कहाँ तक उचित है?

6. Discuss the ideology and organisation of the *Satnamis*. Is it justified to describe their result as 'Hindu Reaction'?

सतनामियों की विचारधारा और संगठन का विवेचन कीजिए। क्या उनके विद्रोह को 'हिंदू प्रतिक्रिया' के रूप में चित्रित करना उचित है?

7. Discuss the process of adjustment, adoptation and accommodation between the various cultural traditions during the period of your study.

अपने अध्ययनार्थ निर्धारित काल के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं के बीच समायोजन, अंगीकरण और सामंजस्य स्थापन की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

8. Write notes on **any two** of the following .

(a) Al-Birunis *Kitabul Hind*

(b) *Guru Granth Sahib*

(c) *Pir-e-Roshan*

(d) Dadu Dayal

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) अल बरूनी की *किताब - उल - हिंद*

(ख) *गुरू ग्रंथ साहब*

(ग) *पीर - ए - रोशन*

(घ) दादू दयाल